असहायः पुमानेकः, कार्यान्तं नाधिगच्छति ।
तुषेणापि विनिर्मुक्त—स्तण्डुलो न प्ररोहति ॥

॥ ॐ ॥

॥ मुनिसम्मेलन ॥

न्यायांभोनिधि श्वेतांबर जैनाचार्य श्री १०८ श्रीमद्विजयानंद सूरि (आत्मारामजी) महाराजजीके शिष्य प्रशिष्यादि मुनिमंडलका देश गुजरात शहर बडौदामें हुआ हुआ समेलन.

लेखक.

अमृतसर निवासी पंडित हीरालाल शर्मा.

मेनेजर श्री आत्मानंद जैन लॉयब्रेरी (अमृतसर पंजाब.)

प्रसिद्धकर्त्ता.

अजमेर निवासी—शेठ हीराचंदजी सचेती ।
तथा । लाला चुनीलाल दुग्गड—अमृतसर निवासी.

बडोदरा कोठीपोळ सामे भाउकाळेनी गलीमां ' लक्ष्मीविलास ' प्रेस कं. लि. मां पटेल छोटालाल लालभाइए छाप्युं. (ता. २०–८–१२)

प्रति २०००.

श्री वीर संवत् २४३८ विक्रम संवत् १९६९
श्री आत्म संवत् १७ ई. सन १९१२